

# UNIVERSITY OF DELHI

UNDERGRADUATE PROGRAMMES OF STUDY  
STRUCTURE, COURSES & SYLLABI OF SEMESTER - II



## बी.ए. (प्रोग्राम) हिंदी पाठ्यक्रम

Sl. No.	Content	Page No.
1.	B.A. (Prog.) with Hindi as <b>Major</b> Discipline 1. हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल) 2. हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परंपरा	02-09
2.	B.A. (Prog.) with Hindi as <b>Minor</b> Discipline 1. हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)	02-04

सेमेस्टर 2

## हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)

Core Course - (DSC) Credits : 3+1

कोर कोर्स (DSC) 3

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite	Contents of Course and reference is in
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)	कोर कोर्स (DSC) 3	4	3	1	..	DSC-I	Annexure-

### Course Objective

- विद्यार्थियों को हिंदी के मध्यकालीन और आधुनिक कवियों से परिचित कराना।
- मुख्य कविताओं के माध्यम से तत्कालीन साहित्य की जानकारी देना।

### Course learning outcomes

- कविताओं का अध्ययन-विश्लेषण करने की पद्धति सीख सकेंगे।
- साहित्य के सामाजिक-राजनीतिक-सांस्कृतिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त होगी।

### इकाई-1

- **कबीर** – कबीर ग्रंथावली; माताप्रसाद गुप्त; लोकभारती प्रकाशन; 1969 ई.
  - साँच कौ अंग (1), भेष कौ अंग (5, 9, 12) संमथाई कौ अंग (12)
- **सूरदास** – सूरसागर संपा. डॉ. धीरेंद्र वर्मा; साहित्य भवन 1990 ई.
- गोकुल लीला – पद संख्या 20, 26, 27, 60

– गोस्वामी तुलसीदास – तुलसी ग्रंथावली (दूसरा खण्ड); संपा. आ. र. म. चं. 22.11.2022  
(नागरीप्रचारिणी सभा, काशी) **Annexure - 4.02.02(3)**

दोहावली – छंद सं. 277, 355, 401, 412, 490

## **इकाई-2**

– बिहारी – रीतिकाव्य संग्रह; जगदीश गुप्त; साहित्य भवन प्रा. लि.; इलाहाबाद; प्रथम संस्करण;  
1961 ई.

छंद सं. – 3, 14, 16, 18, 23, 24

## **इकाई-3**

– मैथिलीशरण गुप्त : रईसों के सपूत (भारतभारती, वर्तमान खण्ड, साहित्य सदन, झाँसी)  
पद सं. 123 से 128

– जययशंकर प्रसाद : बीती विभावरी जाग री (लहर, लोकभारती प्रकाशन, 2000)

हिमालय के आँगन में ..... (स्कन्दगुप्त; भारती भण्डार; इलाहाबाद, 1973)

## **इकाई-4**

– हरिवंश राय 'बच्चन' – जो बीत गयी ..... (हरिवंश राय 'बच्चन' : प्रतिनिधि कविता; राजकमल  
पेपरबैक्स, संपा. मोहन गुप्त, 2009)

– नागार्जुन – उनको प्रणाम! (नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ, संपा. नामवर सिंह, राजकमल, पेपरबैक्स,  
2009)

– भवानीप्रसाद मिश्र – गीत-फरोश (दूसरा सप्तक, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, द्वितीय संस्करण,  
1970)

## **References**

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी

2. तुलसी काव्य—मीमांसा : उदयभानु सिंह
3. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. सूरदास : ब्रजेश्वर शर्मा
5. सूरदास : रामचंद्र शुक्ल
6. गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल
7. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा : मनोहरलाल गौड़
8. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य : कमलकांत पाठक
9. प्रसाद, पंत और मैथिलीशरण – रामधारी सिंह 'दिनकर'
10. प्रसाद के काव्य – प्रेमशंकर
11. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
12. हरिवंश राय बच्चन – संपा. पुष्पा भारती
13. आधुनिक हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

## **Teaching Learning Process**

कथा व्याख्यान, समूह परिचर्चा, ऑनलाइन लिंक

1 से 3 सप्ताह : इकाई—1

4 से 6 सप्ताह : इकाई—2

7 से 9 सप्ताह : इकाई—3

10 से 12 सप्ताह : इकाई—4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

## **Assessment Methods**

टेस्ट, असाइनमेंट

## **Keywords**

मध्यकाल, आधुनिकता, आधुनिकतावाद, काव्य, विभिन्न बोलियाँ आदि।

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

सेमेस्टर 2

**हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परम्परा**  
**Core Course - (DSC) Credits : 3+1**

कोर कोर्स 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite	Contents of Course and reference is in
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परम्परा	कोर कोर्स (DSC) 4	4	3	1	..	DSC-II	Annexure-

### Course Objective

- भारत के मौखिक साहित्य और लोक-परम्परा का अवलोकन
- लोक-जीवन और संस्कृति की जानकारी
- पर्यटन और संगीत-नृत्य आदि में आकर्षण विकसित होगा।

### Course Learning Outcomes

- मौखिक साहित्य का परिचय
- प्रमुख रूपों का परिचय
- संस्कृति और लोक-जीवन व संस्कृति के विश्लेषण की क्षमता

### इकाई-1

मौखिक साहित्य की अवधारणा : सामान्य परिचय, मौखिक साहित्य और लिखित साहित्य का संबंध

साहित्य के विविध रूप – लोकगीत, लोककथा, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य, लोकोक्तियाँ

### इकाई-2

संस्कार गीत : सोहर, विवाह, मंगलगीत इत्यादि

सोहर : भोजपुरी, संस्कार गीत; श्री हंस कुमार तिवारी; बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पृ. 8, गीत सं. 4

सोहर : अवधी, हिंदी प्रदेश के लोकगीत; कृष्णदेव उपाध्याय; पृ. 110, 111; साहित्य भवन; इलाहाबाद

विवाह : भोजपुरी; भारतीय लोकसाहित्य : परम्परा और परिदृश्य; विद्या सिन्हा; पृ. 116

### निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के पृष्ठ :

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकर लाल यादव; पृ. 231

हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय; पृ. 205

वाचिक कविता : भोजपुरी; पं. विद्यानिवास मिश्र, पृ. 49

श्रमसंबंधी गीत : कटनी, जंतसर; दँवनी, रोपनी इत्यादि

कटनी के गीत; अवधी 2 गीत; हिंदी प्रदेश के लोकगीत : पं. कृष्णदेव उपाध्याय; पृ. 134, 135

जंतसारी : भोजपुरी; भारतीय लोकसाहित्य परम्परा और परिदृश्य; विद्या सिन्हा; पृ. 140, 141

विविध गीत : घुघुती-कुमाउनी; कविता कौमुदी : ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी

गढ़वाली : कविता कौमुदी : ग्रामगीत; पं. रामनरेश त्रिपाठी; पु. 801-802

### इकाई-3

#### लोककथाएँ एवं लोकगाथाएँ :

— विधा का सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाएँ एवं लोकगाथाएँ आल्हा, लोरिक,

सारंग — सदावृक्ष, बिहुला

— राजस्थानी लोककथा नं. 2; हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास; पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 461-462

— अवधी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास; पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 187-188

### इकाई-4

विधा का परिचय, विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्यरूप और शैलियाँ, रामलीला,; रासलीला, मालवा का माच; राजस्थान का ख्याल, उत्तर प्रदेश की नौटंकी, भांड, रासलीला, बिहार – बिदेसिया, हरियाणा सांग पाठ, संक्षिप्त पद्मावत सांग (लखमीचंद ग्रंथावली, संपा. पूरनचंद शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंडवानी; तीजन बाई)

## References

1. हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय
2. हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकरलाल यादव
3. मीट माई पीपल : देवेन्द्र सत्यार्थी
4. मालवी लोक-साहित्य का अध्ययन : श्याम परमार
5. रसमंजरी : सुचीता रामदीन, महात्मा गांधी संस्थान, मॉरिशस
6. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास : पं. राहुल सांकृत्यायन; 16वां भाग
7. वाचिक कविता : भोजपुरी: विद्यानिवास मिश्र
8. भारतीय लोकसाहित्य :परंपरा और परिदृश्य : डॉ. विद्या सिन्हा
9. कविता कौमुदी : ग्रामगीत :पं. रामनरेश त्रिपाठी
10. हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन-हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
11. मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका-चौमासा

## Teaching Learning Process

कथा व्याख्यान, समूह चर्चा, प्रस्तुति को देखना

- 1 से 3 सप्ताह : इकाई-1
- 4 से 6 सप्ताह : इकाई-2
- 7 से 9 सप्ताह : इकाई-3
- 10 से 12 सप्ताह : इकाई-4
- 13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

## Assessment Methods

## **Keywords**

विभिन्न रूप, बोलियाँ सांस्कृतिक शब्द

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.



Nomenclature of certificate / diplome / degrees:

- ✓ After securing 44 credits (from semeser I and II), by completing one year of study of the UG programme with Hindi as a single core discipline, if a student exits after following due procedure, he or she shall be awarded Undergraduate Certificate in Hindi.
- ✓ After securing 88 credits (from semester I,II, III & IV), by completing two years of study of the UG Programme with Hindi as a single core discipline, if a student exits after following due procedure, he or she shall be awarded Diploma in Hindi.
- ✓ After securing 132 credits (from semester I to VI), by completing three years of study of the UG Programme with Hindi as a single core discipline, if a student exits after following due procedure, he or she shall be awarded Bachelor of Arts (Honours) in Hindi.
- ✓ After securing 176 Credits 9from semester I to VIII), by completing four years of study of the UG Programme with Hindi as a single core discipline and writes dissertation, the student shall be awarded Bachelor of Arts ( Honours with Research) in Hindi.
- ✓ After securing 176 Credits (from semester I to VIII), by completing four years of study of the UG Programme with Hindi as a single core discipline and engages in Academic Project/ Entrepreneurship, the student shall be awarded Bachelor of Arts ( Honours with Academic Project/Entrepreneurship) in Hindi.